

165

जिला सैक्टर योजना 2012-13

(पूँजीगत चालू योजना)

संख्या- 102 / XV-1 / 13 / 1(7) / 11

प्रेषक,

अरुण कुमार ढौंडियाल,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
नैनीताल एवं चमोली।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 16 जनवरी, 2013

विषय: अनुदान संख्या-31 के लेखाशीर्षक-4403-पशुपालन आयोजनागत योजनाओं में वर्ष 2012-13 में अनुपूरक अनुदान से प्रावधानित धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक निदेशक, पशुपालन के पत्र संख्या-3286/नि०-5/एक(15)/भ०नि०/स्पे०ट्रा०यो०/2012-13 दिनांक 13 दिसम्बर, 2012 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में जिला योजना अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत पशुचिकित्सालयों व पशु सेवा केन्द्रों के भवनों का निर्माण योजनान्तर्गत अनुपूरक अनुदान के माध्यम से प्रावधानित धनराशि ₹ 5.00 लाख (₹ पांच लाख मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निम्नानुसार आपके निवर्तन पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख ₹ में)

क्र०सं०	जनपद का नाम	अवमुक्त की जा रही धनराशि
1.	नैनीताल	2.15
2.	चमोली	2.85
	योग	5.00

- (1) आगणन में उल्लिखित, जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई है, की स्वीकृति/अनुमोदन नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से प्राप्त किया जाय।
- (2) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये, जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (3) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।
- (4) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि से पूर्ण करते हुए कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही सम्पादित कराया जाय।
- (5) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्चाधिकारियों के साथ अवश्य कर लें एवं निरीक्षण के पश्चात निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप ही कार्य किया जाय।



- (6) आगणन में जिन मदों हेतु, जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय तथा एक मद की राशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (7) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी शासकीय मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाये तथा तत्काल निर्माण कार्य प्रारम्भ किये जायें व कार्य प्रारम्भ करने में देरी यदि हो, के लिए उत्तरदायित्व निर्धारित करके दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाय।
- (8) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (9) धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में दिये गये प्राविधानों का तथा कय संबंधी शासनादेशों में दी गई व्यवस्था व स्टोर परचेज नियमावली का पालन किया जाय।
- (10) धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाय।

2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान संख्या-31 के लेखाशीर्षक 4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-00-796-जनजाति क्षेत्र उप योजना-01-पशु सेवा चिकित्सालयों एवं पशुसेवा केन्द्रों के भवनों का निर्माण 24-वृहद् निर्माण कार्य के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-132(P)/XXVII(4)/12 दिनांक 08 जनवरी, 2013 में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

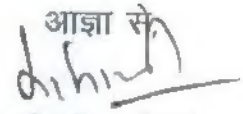
भवदीय,

(अरुण कुमार ढौंडियाल)  
सचिव

संख्या- 102 (1)/XV-1/2013 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
2. आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, पशुपालन को उनके उक्तांकित पत्र के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।
4. अपर निदेशक, पशुपालन विभाग, कुमाऊँ मण्डल/गढ़वाल मण्डल।
5. मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, नैनीताल एवं चमोली।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल एवं चमोली।
6. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4।
- ✓ 7. निदेशक, एन.आई.सी. सचिवालय देहरादून को वैंवसाईट में डालने हेतु।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से  
  
(जी०बी० ओली)  
संयुक्त सचिव